

## पद १४६

(रागः यमन जिल्हा - तालः त्रिवट)

कुभावकु कैसा मिलेगा राम । योगीमनविश्राम ॥ध्रु.॥ ग्यान ध्यान  
लय लच्छ बतावे । मनमो बस रहे काम ॥१॥ लोभ मोह मो भीतर  
भरा है । ऊपर धोवत चाम ॥२॥ मानिक कहे ये लच्छन को नर ।  
बांध ले जावे यमधाम ॥३॥